नवभारत टाइम्स

बुधवार 14 मई 2008 | बैसाख 24 शक 1930 | बैसाख शुक्ल 10 विक्रम 2065 | पेज 24* | मूल्य 3 रु. या 4 रु. इकनॉमिक टाइम्स (दिल्ली) सहित या 4.50 रु. द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित | WW

चीन में राहत पर मौसम की मार

▶ मरने वालों की तादाद 12 हजार के पार

▶ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य युद्धस्तर पर

▶ भारत ने हर संभव मदद की पेशकश की

AFP

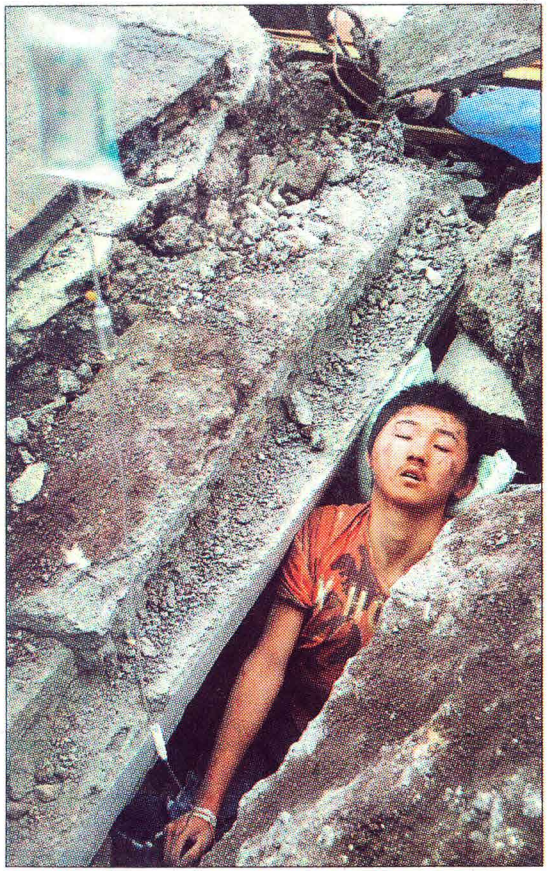

बेचुआन शहर में मलबे में फंसे इस युवक को राहतकर्मी तत्काल निकाल तो नहीं सके, लेकिन उसकी जान बचाने के प्रयास फौरन शुरू कर दिए।

पीटीआई ॥ पेइचिंग : चीन में सोमवार को आए जबर्दस्त भूकंप के बाद राहत कार्यों में खराब मौसम की वजह से रुकावट आ रही है। साथ ही प्रभावित इलाकों में बार-बार भूकंप के हल्के झटके महसूस किए जाने से लोगों को मदद पहुंचाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। मरने वालों की तादाद अब तक 12 हजार के पार जा चुकी है। इस संख्या में हजारों का इजाफा हो सकता है क्योंकि अब भी कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

सेना और डॉक्टरों की हजारों टीमों को सबसे ज्यादा प्रभावित सिचुआन प्रांत में भेजा गया है। बारिश, सड़कें बंद हो जाने और कम्यूनिकेशन नेटवर्क के ध्वस्त हो जाने से बचावकर्मियों को काफी परेशानियां हो रही हैं। करीब 34 हजार अतिरिक्त जवानों को प्रभावित इलाकों की ओर रवाना किया गया है। वहीं सिचुआन में तबाही के बाद से मंगलवार तक छह रिक्टर तीव्रता तक के करीब 1180 झटके महसूस किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री वन च्यापाओ ने तबाही को अनुमान से कहीं अधिक बताया है। उन्होंने कुछ अतिरिक्त राहतकर्मियों की जरूरत बताई है। चीन ने विदेशी मदद के लिए राजी हो गया है। भारत ने भी चीन को हर संभव सहायता की पेशकश की है। दूसरी ओर चीन में ओलिंपिक खेलों की आयोजन समिति ने कहा है कि भूकंप से ओलिंपिक और मशाल रिले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

▶▶पेज 11

सिचुआन की तरह ढह सकती है दिल्ली भी!

वरिष्ठ संवाददाता ॥ नई दिल्ली

भूकंप के एक तेज झटके से सिचुआन की तरह ही राजधानी दिल्ली की इमारतें भी गिर सकती हैं। राजधानी की अधिकतर इमारतों को भूकंपरोधी तकनीक से नहीं बनाया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, दिल्ली भूकंप के लिहाज से मध्यम क्षेत्र में आती है। भूवैज्ञानिकों के आकलन के अनुसार, यहां भूकंप के झटकों की अधिकतम तीव्रता 6.7 रिक्टर तक आंकी गई है। सिचुआन में जो भूकंप आया है उसकी तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 7.8 है। लेकिन राजधानी के पुरानी दिल्ली और ईस्ट दिल्ली के इलाके बेहद घने होने के कारण भूकंप से यहां ज्यादा तबाही होगी। हालांकि दिल्ली में भूकंप से निबटने के लिए काम शुरू हो गया है। लेकिन अब तक खास इंतजाम नहीं किए गए हैं।

अधिकतर इमारतें भूकंपरोधी नहीं, भूकंप आने पर ज्यादा तबाही की आशंका

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले राष्ट्रीय आपदा परामर्शक सलाहकार आनंद स्वरूप आर्य के मुताबिक, दिल्ली से करीब 250 किलोमीटर दूर शिवालिक की पहाड़ियां सबसे ज्यादा भूकंप संभावित क्षेत्र हैं। चूंकि दिल्ली यहां से बेहद नजदीक है इसलिए यहां तबाही की सबसे ज्यादा संभावना है। जिस प्रकार से सिचुआन में भूकंप के झटकों से वहां लोगों ने सबक नहीं लिया, वैसी ही स्थिति दिल्ली में भी है। हालांकि अब कुछ काम होना शुरू हो गया है। राजधानी की पांच बड़ी इमारतों को भूकंपरोधी बनाया जा रहा है। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग ने दिल्ली सरकार के 100 से ज्यादा स्कूलों का सर्वे शुरू कर दिया है। भूकंप जैसी घटनाओं से निबटने के लिए डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स का गठन किया गया है। इमारतों को भूकंपरोधी बनाने के लिए गाइडलाइन्स जारी की गई हैं। जिन पर काम शुरू हो गया है। पूर्व टाउन प्लानर आर. जी. गुप्ता के मुताबिक, अगर मास्टर प्लान-2021 को सही तरह से लागू कर दिया जाए तो राजधानी को भूकंप के झटकों से बचाया जा सकता है। मास्टर प्लान में पूरे शहर की रि-प्लानिंग, रि-डिवेलपमेंट, रि-हैबिलिएशन का प्रावधान है। लेकिन इस मामले न सरकार और न ही प्राइवेट कंपनियां गंभीर नजर नहीं आ रही हैं।